भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 2023
दिनांक 11 मार्च, 2025 के लिए प्रश्न

दुग्ध उत्पादन

2023. श्री बृजेन्द्र सिंह ओला:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान देश में, विशेषकर राजस्थान राज्य में, पशुधन की वर्तमान स्थिति का राज्य-वार तथा वर्षवार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या भारत देश विश्व में सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है;

(ग) यदि हां, तो क्या पशुपालकों को उनके द्वारा किए गए दुग्ध उत्पादन का लाभकारी मूल्य प्राप्त हो रहा है;

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा इसका मूल्यांकन किस प्रकार किया जाता है;

(ङ) क्या पशुपालकों को उनके द्वारा उत्पादित दुग्ध का लाभकारी मूल्य नहीं मिल रहा है और यदि हां, तो सरकार द्वारा पशुपालकों को उनके द्वारा किए गए दुग्ध उत्पादन का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(च) क्या सरकार दुग्ध का निर्यात भी कर रही है; और

(छ) यदि हां, तो चालू वर्ष सहित पिछले तीन वर्षों का ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

(क) सरकार की पंचवर्षीय योजना पशुधन संगणना द्वारा देश में पशुधन की संख्या उपलब्ध कराई जाती है, जिसमें राज्य के पशुधन भी शामिल है पिछली पशुधन संगणना वर्ष 2019 में की गई थी। वर्ष 2019 में आयोजित पशुधन संगणना के अनुसार देश में, राजस्थान में और राज्यों में पशुधन की स्थिति अनुबंध I में दी गई है।

(ख) जी हां, 'संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन' की उपलब्ध जानकारी के अनुसार भारत विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है, जिसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) का स्थान है।

(ग) से (ङ) पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी), भारत सरकार देश में दूध की खरीद और बिक्री कीमतों को विनियमित नहीं करता है। संगठित क्षेत्र डेयरी किसानों को दूध के वसा और ''सॉलिड नॉट फैट'' घटकों के आधार पर खरीद मूल्य प्रदान करता है। सहकारी और निजी डेयरियों द्वारा उनकी उत्पादन लागत और बाजार की ताकतों के आधार पर कीमतें तय की जाती हैं। हालांकि, डीएएचडी किसानों के हितों के सहायतार्थ हितधारकों के परामर्श से आवश्यक नीतिगत उपाय/हस्तक्षेप करने के लिए देश में डेयरी उद्योग की बारीकी से निगरानी करता है।

(च) से (छ) जी हाँ, भारत विश्व के विभिन्न देशों को दूध और दूध उत्पादों का निर्यात करता है। पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान निर्यात का वर्षवार विवरण नीचे सारणीबद्ध है:

हार्मोनाइज़्ड सिस्टम (एचएस) कोड वाले पण्य	**मात्रा (मीट्रिक टन में)**			
	वर्ष 2021-22	**वर्ष 2022-23**	**वर्ष 2023-24**	**वर्ष 2024-25 (नवंबर 2024 की स्थिति तक)**
दूध और क्रीम (0401)	12,143.09	14,768.32	16,515.02	13,671.97
दूध पाउडर (0402)	49,653.89	18,733.29	6,952.95	5,641.81
किण्वित और अम्लीकृत दूध उत्पाद (0403)	1,503.22	1,574.18	2,501.17	1,970.40
मट्ठा और मट्ठा उत्पाद (0404)	165.67	350.64	336.16	230.56
मक्खन/घी/मक्खन वाला तेल (0405)	37,682.94	22,902.07	27,837.30	37,092.34
पनीर और दही (0406)	7,623.67	9,262.64	9,590.78	6,255.03
केसीन, केसिनेट्स और अन्य केसीन व्युत्पन्न; केसीन ग्लू (3501)	8,768.48	8,843.53	2,044.34	1,921.57
कुल	**117,540.96**	**76,434.67**	**65,777.72**	**66,783.68**

*****

अनुबंध – I

श्री बृजेन्द्र सिंह ओला द्वारा दूध उत्पादन के संबंध में पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2023 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	कुल पशुधन 2019
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	1,45,394
2	आंध्र प्रदेश	3,40,67,616
3	अरुणाचल प्रदेश	11,61,428
4	असम	1,80,92,201
5	बिहार	3,65,40,820
6	चंडीगढ़	26,990
7	छत्तीसगढ़	1,58,72,302
8	दिल्ली	3,60,397
9	गोवा	1,32,406
10	गुजरात	2,68,93,274
11	हरियाणा	70,46,091
12	हिमाचल प्रदेश	44,12,846
13	जम्मू एवं कश्मीर (लद्दाख सहित)	83,25,324
14	झारखंड	2,36,14,545
15	कर्नाटक	2,90,13,412
16	केरल	29,08,657
18	लक्षद्वीप	45,697
18	मध्यप्रदेश	4,06,37,375
19	महाराष्ट्र	3,30,79,818
20	मणिपुर	5,50,719
21	मेघालय	20,39,103
22	मिजोरम	3,59,704
23	नागालैंड	5,53,803
24	ओडिशा	1,81,70,309
25	पुडुचेरी	1,51,368
26	पंजाब	70,50,355
27	राजस्थान	5,68,00,945
28	सिक्किम	2,74,332
29	तमिलनाडु	2,45,00,621
30	तेलंगाना	3,26,40,639
31	दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव	51,688
32	त्रिपुरा	13,17,892
33	उत्तर प्रदेश	6,80,12,945
34	उत्तराखंड	44,27,089
35	पश्चिम बंगाल	3,74,83,238
	कुल	**53,67,61,343**

****